

## TheHitavada

Jabalpur City Line | 2021-05-25 | Page- 4  
ehitavada.com

### TFRI holds online webinar

THE Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur conducted a webinar on "Non-destructive harvesting, processing and marketing of NTFPs" under the Government of India initiative 'Bharat ka Amrit Mahotsava' to celebrate and commemorate 75 years of progressive India and the glorious history of its people, culture and achievements. The aim of this webinar was to familiarise stakeholders about non-destructive harvesting, collection, cultivation, processing and marketing of NTFPs while motivating them with the prime minister's vision of self-reliance or 'Atmanirbhar Bharat'. At the onset Dr Nanita Berry, Scientist & Head, Extension Division briefed about the structure of the programme. Dr G Rajeshwar Rao, ARS, Director, TFRI, in his inaugural address, emphasised on initiation of cluster approach for cultivation of medicinal plants and need to develop value chain of site specific Medicinal and Aromatic Plants (MAPs). Guest speaker, Dr P K Shukla Regional Director, Regional Cum Facilitation Centre (RFRC) for MAPs (NMPB), Jabalpur delivered the talk on "NTFPs in Central India: An Overview". He emphasised on the importance of Non-Timber Forest Products (NTFPs) including small timber, grasses, leaves, medicinal herbs, gums, tan and dyes, animal origin NTFPs, their status, production, cultivation and primary processing. More than 70 participants, including scientists, farmers, officers and research scholars, participated in the programme which was organised through the virtual mode.

## वन उपजों का विदोहन प्रसंस्करण व विपणन पर किया विचार - विमर्श

भारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत टीएफआरआई का वेबिनार

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारत सरकार की पहल 'भारत का अमृत महोत्सव' के तहत 'अकाष्ठ वन उपजों का विनाशविहीन विदोहन, प्रसंस्करण और विपणन' पर उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) ने वेबिनार का आयोजन किया। इसका उद्देश्य अकाष्ठ वन उपजों (एनटीएफपी) के विनाशविहीन विदोहन, संग्रहण, खेती, प्रसंस्करण और विपणन के बारे में हितधारकों को प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण आत्म निर्भर भारत से प्रेरित करके परिचित कराना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. ननिता बेरी, विज्ञानी एवं प्रमुख, विस्तार प्रभाग ने स्वागत किया और कार्यक्रम की संरचना की जानकारी दी। डॉ. जी. राजेश्वर राव निदेशक टीएफआरआई ने उद्घाटन भाषण में औषधीय पौधों की खेती के लिए क्लस्टर दृष्टिकोण की शुरुआत, स्थानीय औषधीय और सुगंधित पौधों (एमएपी) की मूल्य श्रृंखला विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। अतिथि वक्ता, डॉ. पीके शुक्ला, क्षेत्रीय निदेशक क्षेत्रीय सह सुविधा केंद्र (आरएफआरसी) एमएपी (एनएमपीबी) ने 'मध्य भारत में एनटीएफपी : एक अवलोकन' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने घास, पत्ते, औषधीय जड़ी-बूटी, गोंद, आदि एनटीएफपी के उत्पादन, खेती और प्राथमिक प्रसंस्करण के बारे में जानकारी दी। दुर्लभ व संकटग्रस्त (आरईटी) प्रजातियों के संरक्षण, खेती, टिकाऊ कटाई, जैव-रासायनिक मूल्यांकन के बारे में भी बताया। डॉ. नरेंद्र कुमार विज्ञानी सेंट्रल

इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स (सी.आई.एम.ए.पी.), लखनऊ ने 'एटीएफपी के प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन' पर अपना व्याख्यान दिया, जबकि डॉ. उदय होमकर समन्वयक आरसीएफसी ने 'व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण सुगंधित तेल वाली प्रजातियों की खेती, कटाई और मूल्यवर्धन' में बच, तुलसी, मेंधा, आर्टिमिसिया और लेमन ग्रास जैसे सुगंधित पौधों की खेती के बारे में विस्तार से बताया। संगोष्ठी का अंतिम भाषण मनीष गोस्वामी सलाहकार आरसीएफसी, एसएफआरआई ने 'मध्य प्रदेश में एनटीएफपी की विपणन और मूल्य श्रृंखला' पर दिया। वचुंअल मोड के माध्यम से कार्यक्रम में विज्ञानियों, किसानों, अधिकारियों और शोधार्थियों सहित 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

## अमृत दर्शन

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में भारत का अमृत महोत्सव का आयोजन

जबलपुर ■ व्यू

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टी.एफ.आर.आई.), जबलपुर ने भारत सरकार की पहल भारत का अमृत महोत्सव के तहत अकाष्ठ वन उपजों का विनाशविहीन विदोहन, प्रसंस्करण और विपणन पर एक वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार का उद्देश्य अकाष्ठ वन उपजों (एन.टी.एफ.पी.) के विनाशविहीन विदोहन, संग्रहण, खेती, प्रसंस्करण और विपणन के बारे में हितधारकों को प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण आत्म निर्भर भारत से प्रेरित करके परिचित कराना था। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. ननिता बेरी, वैज्ञानिक एवं प्रमुख, विस्तार प्रभाग ने स्वागत किया और कार्यक्रम की संरचना के बारे में जानकारी दी। डॉ. जी. राजेश्वर राव, ए.आर.एस., निदेशक, टी.एफ.आर.आई. ने अपने उद्घाटन भाषण में



औषधीय पौधों की खेती के लिए क्लस्टर दृष्टिकोण की शुरुआत और स्थानीय औषधीय और सुगंधित पौधों (एम.ए.पी.) की मूल्य श्रृंखला विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। अतिथि वक्ता, डॉ. पी.के. शुक्ला, क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय सह सुविधा केंद्र (आर.एफ.आर.सी.), एम.ए.पी. (एन.एम.पी.बी.), जबलपुर ने मध्य भारत में एन.टी.एफ.पी. एक अवलोकन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने घास, पत्ते, औषधीय जड़ी-बूटी, गोंद, आदि एन.टी.एफ.पी. के उत्पादन, खेती और प्राथमिक प्रसंस्करण के बारे में जानकारी दी। वचुंअल मोड के माध्यम से कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, किसानों, अधिकारियों और शोधार्थियों सहित 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

RINI No. M P H I N / 2004 / 13927  
वर्ष - 17 अंक - 215  
होशंगाबाद  
मंगलवार, 25 मई 2021  
● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये  
Website: www.amritdarshan.com